पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः श्रावण 02, 1944

शुक्रवारः 15 जुलाई 2022

रक्षा मंत्री ने जीआरएसई लिमिटेड, कोलकाता में वाई-3023 दूनागिरी, प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट का शुभारंभ किया

भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और अन्य संगठनों को उभरती चुनौतियों से निपटने में वक्र रेखा से आगे रहने के लिए अवसंरचना को बढ़ाने की आवश्यकता है, रक्षा मंत्री ने दोहराया

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 15 जुलाई 2022 को कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित वाई-3023 दूनागिरी, प्रोजेक्ट 17 ए फ्रिगेट का शुभारंभ किया। नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार और भारतीय नौसेना और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी समारोह में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

पी17ए फ्रिगेट्स पी17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स के फॉलो-ऑन क्लास हैं जिसमें बेहतर स्टील्थ विशेषताओं, उन्नत हथियारों और सेंसर तथा प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) और जीआरएसई में सात पी17ए फ्रिगेट निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने युद्धपोत निर्माण के संबंध में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की खोज को साकार करने में नौसेना डिजाइन निदेशालय और अन्य नौसेना टीमों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद पोत उत्पादन के क्षेत्र में अपने अटूट समर्थन और भारतीय नौसेना को पोत समावेशन योजना को साकार करने में मदद करने के लिए जीआरएसई की सराहना भी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'दूनागिरी' समुद्र, आकाश और पानी के अंदर से दुश्मनों को नष्ट करने के लिए बहुआयामी क्षमताओं के साथ एक विश्व स्तरीय स्टील्थ फ्रिगेट होगा।

विश्व के बदलते परिदृश्य में हमारी अवसंरचना और परिसंपत्तियों को बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में रक्षा मंत्री ने कहा कि देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और

व्यापारिक संबंध लगातार विकसित हो रहे हैं। हिंद महासागर क्षेत्र और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। प्रधानमंत्री के 'सागर' 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' की परिकल्पना को साकार करने और भारत के राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक और अन्य संगठनों को बुनियादी ढांचे और परिसंपत्तियों में वृद्धि करनी होगी ताकि देश इन चुनौतियों से निपटने में वक्र रेखा से आगे रहे।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर बंगाल के वीर सपूतों जतिंद्रनाथ मुखर्जी (बागा), खुदीराम बोस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद किया और हमारे देश के 'आजादी का अमृत महोत्सव' उत्सव के साथ राष्ट्र के लिए उनके अविस्मरणीय योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की बहादुर महिलाओं, बेगम रुकैया, बीना दास और कई अन्य की भूमिका की भी प्रशंसा की, जिन्होंने न केवल बंगाल बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना का प्राथमिक अधिदेश राष्ट्र के समुद्री हितों को सुरक्षित, संरक्षित और बढ़ावा देना है, लेकिन यह देश की अर्थव्यवस्था के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि दूनागिरी परियोजना ने 3000 से अधिक स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा किए। इसके अलावा, देश भर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के साथ 29 भारतीय ओईएम इस परियोजना में योगदान दे रहे हैं। इस प्रकार, नौसेना के बजट में अर्थव्यवस्था में और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण 'प्लो-बैक' है। उन्होंने कहा कि नौसेना के भविष्य के 88% अनुबंधों में लगभग 1,75,000 करोड़ रुपये के निवेश भारतीय उद्यमों के माध्यम से किए जा रहे हैं।

नेवी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्षा श्रीमती काला हरि कुमार ने पारंपरिक सम्मान का प्रदर्शन किया और पोत का नाम दूनागिरी रखा। पोत के 'हुगली नदी' के पानी में प्रवेश करते समय उत्साही जनसमूह में खुशी की लहर देखने योग्य थी।

एबीबी/डीएस